

— अग्नि 1) in einen Zustand gerathen, theilhaftig werden: विश्वामित्रो ऽध्यगाथत्र ब्राह्मणावम् MBh. 3, 8309. अममध्यगात् Bhāg. P. 4, 26, 10. — 2) auf Etwas verfallen, sich zu Etwas entschliessen: सो ऽवस्त्रतामात्मनश्च तस्याश्चाप्येकवस्त्रताम् । चित्तयित्वाध्यगाद्वाजा वस्त्रार्थस्यावकर्तनम् ॥ N. 10, 16. — 3) sich erinnern, gedenken; merken auf: अग्नीतीर्यथागाद्यम् AV. 2, 9, 3. अग्निं नो गात मरुतः RV. 8, 20, 22. अग्निं स्तोत्रस्य सव्यस्य गात 10, 78, 8. 5, 35, 9. — 4) zu einer Kenntniss von Etwas (acc.) gelangen, studiren, lesen, lernen: शिशुरेवाध्यगात्सर्वं परं ब्रह्म सनातनम् MBh. 13, 121. अध्यगान्महदाख्यानम् Bhāg. P. 1, 7, 11. यतो ऽहमिदमध्यगाम् (पुराणम्) von dem ich dieses gelernt habe 9, 22, 21. Gewöhnlich med. अग्निगोः अध्यगोष्ठः अध्यगोष्यत P. 1, 2, 1. 2, 4, 49. 50. 6, 4, 66. Vop. 9, 43. 44. यद्दे किं चैतदध्यगोष्ठा नामैवैतत् Khānd. Up. 7, 1, 3. वेदोश्चाग्निगो MBh. 1, 2210. अध्यगोष्ठ स वेदान् 3106. 6332. BHATT. 13, 88. नाध्यगोष्ठं ध्रुवं स्मृतीः 7, 91. एतद्धि मतो ऽग्निगो सर्वम् lernen von M. 1, 59. MBh. 1, 1928. 4001. वेदो ऽङ्गवांस्तैरखितो ऽध्यगापि BHATT. 1, 16. — caus. lehren, aor. अध्यगोष्ठापत् P. 2, 4, 51. — desid. vom caus. अग्निगोष्ठापयिषति zu lehren verlangen P. 2, 4, 51. Vop. 19, 1. — Vgl. इ mit अग्नि.

— अनु 1) nachgehen, aufsuchen: विश्वे देवा अनु तत्ते यजुर्गुः RV. 10, 12, 3. अचिच्छन्नं तत्तुं पयिव्या अनु गेषम् TS. 1, 2, 3, 3. nachgehen, folgen: गच्छन्तं पृष्ठतो ऽन्वगात् MBh. 3, 2303. दमयन्ती तमन्वगात् 2307. 14554. R. 1, 44, 16. Ragh. 7, 29. 8, 49. 12, 14. einem Wege entlang gehen, Jmdes Weg einschlagen: मा ब्राह्मिण्यमन्वगाः R. 4, 30, 21. — 2) befolgen, sich richten nach: देवा देवानामनु हि व्रता गुः RV. 3, 7, 7. 1, 65, 3 (2). — 3) nachgehen so v. a. sich leiten lassen von: मा मन्यवशमन्वगाः MBh. 3, 373.

— समनु nachgehen, folgen: देवीमिन्द्राणी सा समन्वगात् MBh. 5, 432. 13, 150.

— अन्तर 1) gehen zwischen Etwas: यो देव्यानि मानुषा ज्ञानुष्यन्तिर्जिगति RV. 7, 4, 1. अन्तः कृत्वा अरूपैर्धामभिर्गात् 3, 31, 21. — 2) dazwischen treten, trennen, ausschliessen von (abl.): मा नो यज्ञादन्तर्गात् Cat. Br. 3, 6, 2. 17, 2, 3. 4, 3, 2, 8. प्राणं वा अयमन्तरगादधर्युः 3, 8, 2, 24.

— अय weggehen: इक्ष्वेव स्त मायं गात VS. 3, 21. Çāṅkh. Çr. 15, 24, 7. 10. verschwinden, weichen: अयागादग्नेरग्निवम् Khānd. Up. 6, 4, 1.

— अयि eingehen, eindringen, sich mischen in: ज्ञीवानां ब्रातमप्यगात् AV. 2, 9, 2. मा शिश्वेदेवा अयि गुह्यं नः RV. 7, 21, 5. प्राण उदानमप्यगात् Cat. Br. 11, 5, 3. 8. Kāṭh. Çr. 25, 5, 29. Kauç. 136.

— अग्नि 1) herbeikommen; zugehen auf, herantreten zu, hingehen nach, anlangen bei: पावके विनिवृत्ते तु नीलो राजा ऽभ्यगात्तदा MBh. 2, 1162. R. 1, 20, 2. अग्निं सिध्मो अग्निगादस्य शत्रून् RV. 4, 33, 13. अग्निं प्रयोसि गच्छि 8, 49, 4. अग्निं यद्दे विश्वपृथो जिगति 7, 71, 4. इप्सः समुद्रमभि यज्जिगति 10, 123, 8. तामामेकामिदम्यङ्कुरो गात् 3, 6. गन्धर्वराज्ञो ऽप्सरसमभ्यगात् MBh. 3, 1803. N. 7, 6. Ragh. 11, 35. Vid. 6. 329. BHATT. 1, 17. देवेशस्त्रिदिवं पुनरभ्यगात् R. 1, 63, 3. नातिप्रतीतो ऽभ्यगात्पुरम् Bhāg. P. 4, 9, 27. ते ऽभ्यगुर्धनम् BHATT. 13, 2. — 2) gelangen zu, theilhaft werden: अग्नें लिन्दु माभिगाम् Khānd. Up. 8, 14, 1. सावित्री तुष्टिमभ्यगात् MBh. 3, 16625. — तस्य यौवनमभ्यगात् MBh. 2, 696 fehlerhaft für अत्यगात्.

— अय 1) weggehen, abhanden kommen: मा नो ह्यूते ऽव गान्मा समित्याम् AV. 12, 3, 46. — 2) hingehen zu, sich vereinigen mit: सुजदणीस्य-

व ययुधा गाः RV. 1, 174, 4. भूमिर्भूमिमवागात् Kāṭh. Çr. 25, 5, 29. इन्दुरिन्दुमवागात् 12, 6.

— अन्वव hingehen zu, sich vereinigen mit: पानेवामूंस्त्रयान्पितृन्ववागात्तभ्य एवैतत्पुनरुपोदेति Cat. Br. 2, 6, 1, 15.

— अनुव्यव einem Andern folgend dazwischentreten: पापोयसौ वै भवामो ऽसुररत्नसानि वै ना ऽनुव्यवागुः Cat. Br. 3, 4, 2, 2.

— अय्यस्तम् untergehen vor, bei, während einer Handlung u. s. w.: उद्धृतमभ्यस्तमगात् Cat. Br. 2, 3, 1, 7. 4, 4, 6.

— आ herbeikommen, kommen zu, in: एन्द्रं नो गधि प्रियः RV. 8, 87, 4. ओ षु वाश्वेव सुसर्तिर्जिगात् 2, 34, 15. 1, 181, 6. 8, 34, 12. Cat. Br. 3, 2, 1, 22. Pār. Grh. 2, 2, 3, 3. — किंनिमित्तं तमागाः MBh. 1, 3573. आगुः R. 2, 91, 42. 43. Kāthās. 25, 121. Bhāg. P. 3, 18, 20. मदीविवसतिमागाः Sib. D. 43, 11. चक्रमागात्कारं मम MBh. 3, 884. sich einstellen, eintreffen; Jmd treffen, heimsuchen: भयं चागान्महान्मम Arg. 10, 40. व्यसनं व आगात् MBh. 3, 1355.

— अन्वा nachfolgen: षष्टिः सूरुमनु गव्यमागात् RV. 1, 126, 3.

— अय्या 1) herbeikommen, sich nähern, kommen zu: वृत्समिच्छन्ती मनसाभ्यगात् RV. 1, 164, 27. (तस्य) पुक्कसो ऽभ्यगात् trat zu ihm Bhāg. P. 9, 21, 10. कृष्णस्य नारदो ऽभ्यगादाभ्रम् 1, 4, 32. Jmd treffen. heimsuchen: तं चेद्यसनमभ्यगादिदम् MBh. 3, 1120. — 2) an Etwas gehen, sich daran machen zu, sich entschliessen zu, mit dem inf.: लुधार्तश्चात्तुमभ्यगादिश्चामित्रः अज्ञाधनीम् M. 10, 108.

— समभ्या 1) herbeikommen: ब्राह्मणात्त्रिपाद्यं च चातुर्वर्ण्यं पुराहुतम् । दर्शनेषु समभ्यागात् MBh. 1, 5328. — 2) Jmd treffen, heimsuchen: व्यसनं वः समभ्यागात् MBh. 2, 2597.

— उदा herauf—, herauskommen zu (acc.): उद्गमो जिव उषसो विभातीः AV. 14, 2, 44.

— उपा herbeikommen, zugehen auf, kommen zu: स चोपागात् Kāthās. 5, 68. अतं वर्षिष्ठमुप गाव आगुः RV. 3, 56, 2. आभिर्ह माया उप दस्युमागात् 10, 73, 5. तडुताप्याङ्गः सान्मैनुयागादिति साधुनैनुयागादित्येव Khānd. Up. 2, 1, 2.

— पर्या einen Umlauf vollbringen: कालस्तु पर्यागात् MBh. 12, 8137.

— अनुपर्या wieder zurückkommen zu: वितं नावत्तराप्यनुपर्यागुरिति Ait. Br. 3, 28.

— उद् aufgehen (von Sonne, Mond u. s. w.): उद्सौ सूर्यो अगात् RV. 10, 159, 1. 1, 50, 13. चित्रं देवानामुद्गादनीकम् 115, 1. AV. 2, 8, 1. 6, 121, 3. TS. 3, 2, 4, 4. TBr. 3, 1, 1, 2. 15. उन्मध्यतः पौर्णमासी जिगाय 15. hervortreten, den Anfang machen (?): उद्गात्कठकौद्युम् । प्रत्यष्टात्कठकालापम् P. 2, 4, 3, Sch.

— अयुद् aufgehen über, vor: यद्य कञ्च वृत्ररुद्रुद्गो अग्निं सूर्यं RV. 8, 82, 4. अनुद्धृतमयुद्गात् Cat. Br. 12, 4, 4, 7.

— प्रत्युद् dass.: स सूर्यं प्रति पुरा न उद्गाः RV. 7, 62, 2.

— उप hinzugehen zu; treten in, gerathen in; gelangen zu: को विहांसमुप गात्प्रष्टुमेतत् RV. 1, 164, 4. उपो ह यद्विदयं वाजिनो गुः 7, 93, 3. AV. 2, 5, 2. ह्ययो नो मायं गा इति 5, 19, 9. 8, 3. 8, 2, 1. 19, 13, 2. मा मृत्योरुप गा वशम् 27, 8. पत्रा यमस्य गाडुपं RV. 1, 38, 5. Cat. Br. 2, 4, 1, 11. 12, 2, 3, 8. अज्ञेसा सत्यमुपं गेयम् VS. 5, 5, 42. सत्यमुप गेयम् ved. P. 3, 1, 86, Sch. — Vgl. उपा.